संगठन एवं प्रबंध

संस्थान के साधारण निकाय तथा कार्यकारी परिषद नामक दो मुख्य संवैधानिक निकाय हैं। साधारण निकाय संस्थान की नीतियां बनाती है जबकि कार्यकारी परिषद संस्थान के प्रबंध और प्रशासन के लिए उत्तरदायी है। कार्यकारी परिषद विशेष कार्यों के निष्पादन के लिए समय समय पर स्थायी या तदर्थ समितियां गठित कर सकती है। इस समय क्षेत्रीय केन्द्रों के भवन निर्माण को देखने के लिए एक तदर्थ भवन समिति बनी हुई है।

साधारण निकाय और कार्यकारी परिषद की बैठकें

संस्थान की साधारण निकाय की 36वीं सामान्य वार्षिक बैठक 24 मार्च 2005 को हुई। इसमें 2003-04 की वार्षिक रिपोर्ट पारित की गई। इसके अलावा, इसने वर्ष 2004-2005 के परिशोधित आकलन और वर्ष 2005-2006 के बजट आकलन भी अनुमोदित किए। साधारण निकाय ने वर्ष 2003-04 की संस्थान की वार्षिक

साधारण निकाय की 36वीं वार्षिक सामान्य बैठक का दृश्य

कार्यकारी परिषद की छप्पनवीं बैठक का दृश्य

Annual Report-06 (Hindi).pmd 89 2/23/06, 4:33 PM

डा0 ए.के. गोपाल, अपर निदेशक उप समिति के सदस्यों को संस्थान की वर्ष 2004-05 की कार्ययोजना के बारे में बताते हुए

रिपोर्ट पारित करने के अलावा संस्थान के कार्यक्रमों और गतिविधियों की सामान्य पुनरीक्षा की और अपने सुझाव दिए ।

संस्थान की कार्यकारी परिषद की 55वीं और 56वीं बैठक का आयोजन क्रमशः 5 जुलाई 2004 तथा 24 मार्च 2005 को किया गया । परिषद ने संस्थान द्वारा वर्ष 2003-2004 के दौरान किए गए कार्यक्रमों की पुनरीक्षा के अतिरिक्त संस्थान की वर्ष 2003-2004 की वार्षिक रिपोर्ट, वर्ष 2004-2005 के परिशोधित आकलनों, वर्ष 2005-2006 के बजट आकलन तथा अन्य प्रशासनिक और वित्तीय प्रस्तावों पर विचार किया और उनको अनुमोदन दिया । कार्यकारी परिषद ने संस्थान द्वारा वर्ष 2003-2004 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की सामान्य पुनरीक्षा की और वर्ष

श्रीमती वीणा एस राव, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा प्रभारी निदेशक, निपसिड तदर्थ भवन समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए

2003-2004 में संस्थान द्वारा किए गए कार्य की सराहना की । कार्यकारी परिषद ने संस्थान के कार्य तथा कारगर कार्य संचालन को ध्यान में रखते हुए कार्यकारी परिषद द्वारा उपविधि की अनुसूची-1 में निदेशक को पहले से प्रत्यायोजित शक्तियों का विस्तार करते हुए अपर निदेशक तथा संयुक्त निदेशक (सामान्य सेवा)/क्षेत्रीय निदेशकों की वित्तीय शक्तियों को बढ़ाने के बारे में विचार किया और उसे अनुमोदन प्रदान किया । परिषद ने विभिन्न शैक्षिक पदों तथा आशुलिपिकों के भरती नियमों में संशोधन करने के बारे में भी विचार किया और उसे अनुमोदन प्रदान किया ।

भारत सरकार से निधियां

भारत सरकार से सहायता अनुदान संस्थान की गतिविधियों के लिए निधि का मुख्य स्रोत बना रहा । वर्ष 2004-2005 के दौरान संस्थान को नान प्लान के अन्तर्गत 690.00 लाख रुपये तथा प्लान के अंतर्गत 212.50 लाख रुपये की राशि अनुदान के रूप में प्राप्त हुई । इसके अलावा, महिला एवं बाल विकास विभाग ने संस्थान को पिछले वर्ष में विविध प्राप्तियों तथा नान प्लान के अन्तर्गत 44.41 लाख रुपये की खर्च न की गई राशि इस्तेमाल करने की अनुमति दी । नान प्लान तथा प्लान के अंतर्गत क्रमशः 773.57 लाख रुपये और 226.17 लाख रुपये की राशि खर्च हुई । उदिशा परियोजना के अन्तर्गत वर्ष के दौरान संस्थान ने 113.29 लाख रुपये की राशि खर्च की तथा स्व-शक्ति परियोजना के अंतर्गत 30.36 लाख रुपये की राशि खर्च की ।

लेखा और लेखा परीक्षा

संस्थान अपनी उपविधियों की उपविधि-60 के अनुसार अपने लेखाओं को लेखा विधि की प्रोद्भवन प्रणाली से रखता है । वार्षिक लेखाओं की लेखा परीक्षा मै0 कुमार नारंग एंड क0, नई दिल्ली द्वारा की गई जिसकी नियुक्ति अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री के दिनांक 18.10.2005 के अनुमोदन के अनुसार लेखा परीक्षकों के रूप में की गई थी । संस्थान के लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र तथा वार्षिक लेखाओं की प्रति इस वार्षिक रिपोर्ट के "लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा वार्षिक लेखे 2004-2005" के भाग में लगी हुई है ।

कार्मिक मामले

संस्थान ने चयन समिति की बैठकें आयोजित कीं और निम्नलिखत अधिकारी "सीधी भर्ती" के आधार पर नियुक्त किए गए ।

Annual Report-06 (Hindi).pmd 90 2/23/06, 4:33 PM

क्र.सं.	पद का नाम	पदों की संख्या	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	संयुक्त निदेशक	1	14.12.2004
2.	सहायक निदेशक	1	1.2.2005

वर्ष के दौरान एक कर्मचारी की अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति की गईं ।

क्र.सं.	पद का नाम	पदों की संख्या	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	अवर श्रेणी लिपिक	1	26.6.2004

वर्ष के दौरान विभागीय प्रोन्नति समिति की कई बैठकें आयोजित की गईं जिनमें निम्नलिखित पद प्रोन्नति के आधार पर भरे गए ।

क्र.सं.	पद का नाम	पदों की संख्या	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	अपर निदेशक	1	10.3.2005
2.	क्षेत्रीय निदेशक	2	11.3.2005
3.	उप निदेशक4	3	तदर्थ प्रोन्नति 10.3.2005 1 नियमित 10.1.2005
4.	आशुलिपिक ग्रेड-1	3	19.11.2004
5.	अनुसंधान सहायक	6	19.11.2004
6.	प्रवर श्रेणी लिपिक	1	16.6.2004

वर्ष के दौरान समूह "क", "ख" तथा "ग" के निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को एसीपी योजना का लाभ दिया गया ।

क्र.सं.	पद का नाम	पदों की संख्या
1.	सहायक निदेशक	1
2.	अनुभाग अधिकारी (लेखा)	1
3.	सहायक	2
4.	आशुलिपिक ग्रेड-2	1
5.	आशुलिपिक ग्रेड-3	3
6.	लेखा लिपिक	1
7.	अवर श्रेणी लिपिक	5
8.	रिप्रोग्राफी परिचर	1

वर्ष के दौरान अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए ।

क्र.सं.	पद का नाम	सेवानिवृत्ति की तारीख
1.	गेस्टेटनर ऑपरेटर	31.8.2004
2.	माइक्रोफिल्म प्रोजेक्टर ऑपरेटर	28.2.2005
3.	स्टाफ कार चालक	28.2.2005
4.	क्षेत्रीय निदेशक	31.3.2005

वर्ष के दौरान निम्नलिखित कर्मचारियों को स्थायी किया गया ।

क्र.सं.	पद का नाम		स्थायी करने की तारीख
1.	सहायक निदेशक	3	28.2.2005
2.	अनुसंधान सहायक	3	19.11.2004

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

राजभाषा अधिनियम 1963 के विभिन्न संवैधानिक तथा कानूनी उपबंधों की अनुपालना के लिए संस्थान में वर्ष 1980 में स्थापित हिन्दी अनुभाग ने मुख्यालय और इसके चारों क्षेत्रीय केन्द्रों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना जारी रखा । यह अनुभाग प्रशिक्षण सामग्री तथा विभिन्न प्रोफार्मों का अनुवाद करके प्रशिक्षण तथा कार्यक्रम प्रभागों की मदद करता है तथा हिन्दी के प्रयोग के लिए समय समय पर मार्गदर्शन करता है । हिन्दी अनुभाग द्वारा दी गई सेवाओं में निपसिड की वार्षिक रिपोर्ट, लेखा परीक्षा रिपोर्ट, पाठ्यक्रमों की रूपरेखा/विभिन्न कार्यक्रमों की विवरणिकाओं का अनुवाद तथा विभिन्न प्रकार की अन्य सामग्री/टिप्पणों/पत्रों का अनुवाद आदि शामिल है । वर्ष के दौरान किए गए कार्य की विस्तृत सूची निम्न प्रकार है :

प्रकाशित रिपोर्टें/पुस्तकें/पुस्तिकाएं आदि

1. ट्रेनिंग अपडेट
2. संस्थान के वार्षिक लेखे तथा लेखा परीक्षा रिपोर्ट
3. कार्यक्रम कलैण्डर (2004-05)
4. राष्ट्रीय महिला संसाधन केन्द्र - एक पोर्टल
5. डी सी डब्लू डी समाचार पत्रिका संपर्क

विभिन्न बैठकों की कार्यसूची/कार्यसूची टिप्पणियां/कार्यवृत्त

1. वर्ष 2004-2005 के दौरान हुई साधारण निकाय की बैठक की कार्यसूची तथा कार्यसूची - टिप्पणियां
2. वर्ष 2004-2005 के दौरान हुई कार्यकारी परिषद की बैठक की कार्यसूची तथा कार्यसूची - टिप्पणियां

Annual Report-06 (Hindi).pmd 91 2/23/06, 4:33 PM

3. वर्ष के दौरान हुई साधारण निकाय तथा कार्यकारी परिषद की बैठकों के कार्यवृत्त

पाठ्यक्रमों/कार्यशालाओं के आयोजन से संबंधित कार्य

1. शिशुगृह कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास पर कार्यशाला
2. किशोरियों के व्यापक विकास पर पाठ्यक्रम
3. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास पर अनुशिक्षण पाठ्यक्रम
4. पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में संभागी तरीकों तथा सामाजिक विपणन तकनीकों पर स्वैच्छिक संगठनों का क्षमता निर्माण
5. बच्चों की व्यवहार संबंधी समस्याओं पर कार्यशाला

अन्य/विविध

1. वर्ष 2004-2005 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के मुख्य आकर्षण
2. वार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा तथा वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर टिप्पणियां
3. वर्ष 2004-05 हेतु संस्थान की कार्ययोजना
4. वर्ष 2004-05 के दौरान निपसिड की उपलब्धियां
5. भारत में बच्चों पर सांख्यिकी - हैंडबुक
6. शिशुगृह कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल (चार मॉड्यूल)

वर्ष 2004-05 के दौरान हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय भी किए गए :

1 वर्ष 1980-81 में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने इस वर्ष भी कार्य करना जारी रखा । इस समिति की बैठकें प्रत्येक तिमाही में नियमित रूप से की गईं । सभी क्षेत्रीय केन्द्रों की भी राजभाषा कार्यान्वयन समितियां हैं और उन्होंने इन समितियों की बैठकों का आयोजन तिमाही आधार पर किया ।

2 हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए ये योजनाएं जारी रखी गईं (1) सरकारी कामकाज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन के लिए प्रोत्साहन योजना; (2) आशुलिपिकों और टाइपिस्टों द्वारा अपना काम अंग्रेजी के साथ साथ हिन्दी में करने पर प्रोत्साहन भत्ता योजना; (3) हिन्दी में डिक्टेशन देने के लिए अधिकारियों हेतु नकद पुरस्कार योजना; (4) मूल रूप से हिन्दी में लिखे गए प्रकाशित अनुसंधान लेखों के लिए नकद पुरस्कार योजना; (5) कम से कम तीन दिन का कार्यक्रम हिन्दी में आयोजित करने के लिए नकद पुरस्कार योजना; (6) संस्थान की रुचि के विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तक लेखन के लिए पुरस्कार योजना । डा0 ओम राज सिंह, सहायक निदेशक को अपने प्रकाशित अनुसंधान लेख के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया तथा विभिन्न पाठ्यक्रम/कार्यक्रम सिर्फ हिन्दी में आयोजित करने के लिए आठ संकाय सदस्यों को पुरस्कार दिये गये । संस्थान के चार टाइपिस्टों को अंग्रेजी के साथ साथ हिन्दी में टाइप करने के लिए प्रोत्साहन भत्ता दिया गया ।

3 रिपोर्टाधीन अवधि में दो टंककों को पूर्णकालिक पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी टंकण के प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया । इनमें से एक टंकक ने टंकण की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली । एक अन्य टंकक को अगले सत्र के लिए नामित किया गया है । एक आशुलिपिक ने राजभाषा विभाग की हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिन्दी आशुलिपि का प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

4 संस्थान में 1 से 15 सितम्बर 2004 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया । इस पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । मुख्य समारोह 15 सितम्बर 2004 को आयोजित किया गया । डा0 विचार दास, निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो इस समारोह के मुख्य अतिथि थे । विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए । हिन्दी में टिप्पण और आलेखन तथा हिन्दी में डिक्टेशन देने की प्रोत्साहन योजनाओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वालों को भी नकद पुरस्कार दिए गए । संस्थान में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष के दौरान तीन हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया ।

हिन्दी पखवाड़े के समारोह के अवसर पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के निदेशक डा0 विचार दास

Annual Report-06 (Hindi).pmd 92 2/23/06, 4:33 PM